एक नजर में

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के अंतर्गत पशुपालकों से घर-घर जाकर किया जा रहा सम्पर्क

बालाघाट। पशुपालकों की आय को दोगुना करने एवं दुग्ध उत्पादन में वृद्धि लाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन के पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा प्रदेशव्यापी दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान की शुरुआत दिनांक 02 अक्टूबर 2025 से की गई है। इस अभियान के तहत प्रत्येक पशुपालक से उनके घर जाकर व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर उन्हें उन्नत पशुपालन संबंधी जानकारी दी जा रही है। बालाघाट जिले में यह अभियान कलेक्टर श्री मृणाल मीना के मार्गदर्शन एवं उपसंचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. एन.डी. पुरी के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। अभियान के प्रथम चरण में जिले के लगभग 900 ग्रामों में निवासरत 10 या अधिक गौ-भैंसवंश रखने वाले 04 हजार पशुपालकों से विभागीय अमला एवं मैत्री कार्यकर्ताओं द्वारा संपर्क कर संवाद स्थापित किया जा रहा है।

बीजाडांडी पुलिस की सूझबूझ से ब्रेक फेल वाहन को किया नियंत्रित, टली बड़ी दुर्घटना

मंडला नभाप्र. थाना बीजाडांडी पुलिस की सतर्कता और तत्परता के कारण शनिवार रात्रि एनएच 30 मार्ग पर एक बड़ा हादसा टल गया। यह दुर्घटना मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन चल समारोह के दौरान होने वाली थी। बताया गया कि जबलपुर की ओर से मंडला की ओर तेज गति से आ रहे आयशर वाहन क्रमांक एमपी 20 जेडवाय 2187 को चल समारोह ड्यूटी में तैनात थाना प्रभारी प्रदीप कुमार पांडेय और उनकी टीम ने सूझबूझ दिखाते हुए तत्परता से रोका। जांच में पता चला कि वाहन के ब्रेक फेल हो चुके थे, जिससे यह अनियंत्रित होकर भीड़ की ओर बढ़ रहा था। पुलिस टीम की त्वरित कार्रवाई से वाहन को नियंत्रित कर लिया गया और हजारों श्रद्धालुओं की जान बच गई। बताया गया कि वाहन को नियंत्रित करने के बाद चालक राजेश ठाकुर निवासी बरोदा, जिला जबलपुर को हिरासत में लिया गया। चिकित्सीय परीक्षण में पुष्टि हुई कि वह नशे की हालत में वाहन चला रहा था। पुलिस ने वाहन जब्त कर आरोपी चालक के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा सहित अन्य धाराओं और के तहत कानूनी कार्रवाई की है। इसके साथ ही उसके ड्राइविंग लाइसेंस के निरस्तीकरण की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।

प्रतिबंध मेडिकल स्टोर्स की जांच कर कोल्ड्रीफ कफ सीरप का रिकॉर्ड चेक करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

बच्चों के लिए जानलेवा सीरप पर प्रतिबंध

नवभारत, बालाघाट। कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने 06 अक्टूबर को टीएल बैठक में विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, अपर कलेक्टर डीपी बर्मन, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

छिंदवाड़ा जिले में कोल्ड्रीफ कफ सीरप के उपयोग से बच्चों की मौत होने के मामले में संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन ने सम्पूर्ण बालाघाट जिले में कोल्ड्रीफ कफ सीरप एवं नेस्ट्रो -डीएस सस्पेंशन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसी परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं औषधि निरीक्षकों को सख्त निर्देश दिये कि वे जिले में स्थित समस्त मेडिकल स्टोर्स की जांच कर कोल्ड्रीफ कफ सीरप एवं नेस्ट्रो-डीएस सस्पेंशन के रिकॉर्ड की जांच करें। सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को भी निर्देशित किया गया कि वे अपने क्षेत्र के समस्त मेडिकल स्टोर्स की जांच कर इन प्रतिबंधित दवाओं का स्टॉक चेक करें और सुनिश्चित करे कि इनका विक्रय न हो और मरीजों के उपचार में उपयोग न हो।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी एवं सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को निर्देशित किया गया कि जिले के सभी स्कूलों में शिक्षकों की ऑनलाईन अटेंडेंस हमारे शिक्षक एप्प के माध्यम से लगवाना सुनिश्चित करें। इस एप्प के आधार पर शिक्षकों की जितने दिन की उपस्थिति हो उतने दिन का ही वेतन आहरण किया जाए। हमारे शिक्षक एप्प में जितने दिन शिक्षकों की अनुपस्थिति हो उतने दिन का वेतन काट दिया जाए। जो शिक्षक इस एप्प के माध्यम से उपस्थिति दर्ज नहीं करा रहे है उनके विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए।

बैठक में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए गोदामों के निरीक्षण एवं उनमें उपलब्ध धान के स्टॉक का सत्यापन किये जाने की समीक्षा की गई और इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गए। जिले में सोयाबीन लगाने वाले सभी 67 किसानों का भावांतर योजना में शीघ्रता से पंजीयन कराने के निर्देश दिये गए। इसी प्रकार समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए 10 अक्टूबर तक सभी किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए।

मेलियोइडोसिस बीमारी की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवायजरी

नवभारत, बालाघाट। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.परेश उपलप ने बताया कि मेलियोइडोसिस एक गंभीर संक्रामक रोग हैं, जो जीवाणु से होता हैं जो मिट्टी और पानी में विशेषकर वर्षा ऋतु में पाया जाता है। डॉ.उपलप ने बताया कि मधुमेह, गुर्दे-फेफड़े के रोग इसका प्रमुख कारक है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. उपलप ने बताया कि भारत में पर्यावरणीय परिस्थितियों एवं मधुमेह की उच्चता के कारण यह रोग अधिक संवेदनशील हैं। एम्स भोपाल में प्रचलित एक अध्ययन में यह पाया गया है कि धान का रकबा बढने एवं खेतों में संक्रमित मिट्टी तथा पानी के स्रोत अधिक होने से प्रदेश में धान के खेतों में काम करने वाले लोग मेलियोइडोसिस से संक्रमित होना पाया गया है। सीएमएचओं डॉ. उपलप ने इसके बचाव पर परामर्श देते हुए बताया कि खेतों में कार्य करते समय रबर के जूते एवं दस्ताने जरूर पहने, केवल उबला या क्लोरीनयुक्त सुरक्षित पानी पीएं, घाव ढंकें, गंदे पानी से संपर्क न करें। लगातार बुखार, फेफड़े का संक्रमण या फोड़े-फुंसी होने पर तुरंत डाक्टर से परामर्श लें। उच्च जोखिम वाले मधुमेह, गुर्दे, फेफड़े के रोगी विशेष सावधानी बरतें।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. उपलप ने सिविल सर्जन सहित समस्त बीएमओ को निर्देशित किया गया है कि संदिग्ध और पुष्ट मामलों की सूचना तुरंत राज्य निगरानी इकाई आईडीएसपी को दी जानी चाहिए। जिला निगरानी इकाईयां चिकित्सकों और प्रयोगशाला कर्मचारियों को जागरूक करें। मानसून से पहले उसके दौरान बाद में प्रभावित क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाएं।

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन अंतर्गत पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ

बालाघाट। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र बड़गांव बालाघाट में 06 अक्टूबर को प्राकृतिक खेती पर 50 कृषि सखियों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। 06 से 10 अक्टूबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एस.आर. धुवारे के मार्गदर्शन में किया जा रहा हैं। कार्यक्रम में डॉ. घनश्याम देशमुख अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय बालाघाट, डॉ. अतुल श्रीवास्तव सहायक प्राध्यापक कृषि महाविद्यालय, विनय धुर्वे सहायक संचालक कृषि, एक.के.चार्ल्स, डॉ. जगदीश कुटारिया तकनीकी सहायक आत्मा किरनापुर, अजय बिजेवार तकनीकी सहायक आत्मा लाँजी एवं जिले के 50 कृषि सखियां उपस्थित रही।

पंखे के करेंट से मासूम की मौत

मां के साथ नाना के घर गई थी , घटना के बाद से दो गांव में मातम का माहौल

नवभारत, लांजी। लांजी थाना क्षेत्र के सिरेगाव में उस वक्त मातम पसर गया। जब, मां के साथ, नाना के घर आई डेढ़ वर्षीय मासुम अवनी पिता अनिल उमरे की, पंखे के करेंट से मौत हो गई है। जिस वक्त यह घटना हुई, उस वक्त नाना, मवेशियों को चारा दे रहे थे। जैसे ही नातन को पंखे में चिपका देखा, नानी ने तत्काल ही उसे हटाया, जिन्हें भी करेंट लगा है। हालांकि उन्हें ज्यादा चोटें नहीं है, लेकिन मासुम की मौत हो गई। जिसकी पुष्टि अस्पताल लाने के बाद डॉ. ने की। जिस जानकारी के बाद पुलिस ने शव बरामद कर पंचनामा कार्यवाही करके, शव का पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

बताया जाता है कि बालिका लांजी थाना क्षेत्र के ही बिसोनी के कटंगी की रहने वाली थी। जिसके पिता मजदूरी करने, घर से बाहर गए है। अवनी, आज सुबह ही मां के साथ नाना-नानी के यहां गई थी। जहां हुई इस घटना के बाद मां और परिजनो का रो-रोककर बुरा हाल हैं। जिसका लांजी सिविल अस्पताल में बीएमओ डॉ. अक्षय उपराडे ने पीएम किया। जिसके बाद पुलिस ने मासुम का शव, अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया है। घटना के बाद मासुम के गांव कटंगी में भी मातम का माहौल है वहीं बाहर कमाने गए, अवनी के पिता का इंतजार किया जा रहा है। नाना इंदु लिल्हारे ने बताया कि आज ही उसने पंखा सुधारकर लाया था। उसे चलाने के बाद, उसे बंद कर वह मवेशियों को चारा देने गया था। इसी दौरान यह हादसा हो गया। लांजी पुलिस ने बताया कि मामले में मर्ग कायम किया गया है। मामले में शव का पीएम करवाकर, शव परिजनों को सौंप दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

वीरांगना दुर्गावती की जयंती कार्यक्रम में शामिल हुये जायसवाल

गर्रा, डोके व झाडगांव के आदिवासियों भाईयो को नयी पीढी को शिक्षित करने का दिया मूलमंत्र

नवभारत, वारासिवनी। वीरांगना रानी दुर्गावती की 501 वी जयंति रामपायली गर्रा मे पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल मे मुख्य आतिथ्य मे उत्साह से मनायी गयी। कार्यक्रम मे विशेष रूप से गर्रा, डोके, झाडगांव आदि ग्रामो मे प्रमुख सामाजिक लोगो ने शामिल होकर प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया।

आदिवासी समाज के कार्यक्रम के इस अवसर पर पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने प्रभावी शैली मे कहा की रानी दुर्गावती भारतीय इतिहास की एक महान वीरांगना और कुशल शासिका थी। रानी ने मुगलो और बाज बहादुर के आक्रमणो का साहसपूर्वक सामना किया था। और 52 युद्धो मे से 51 मे विजय हासिल की थी। उनके राज मे सोने के सिक्के चलते थे।

गुडडा भैया ने यह भी कहा की आज समाज के लोग रानी दुर्गावती के सिंद्वातो पर चलकर फिर से अपने वैभव को प्राप्त कर सकते है। किंतू इस बार तलवार नही हमे कलम का सहारा लेना पडेगा। अब राजा बनने के लिये लोकतंत्र मे चुनावो का सहारा लेना पडता है। हम अगर आने वाली पीढि को शिक्षित बनायेगे तो हम फिर से पुराने साम्राज्य को पाने की दिशा मे मजबूत कदम बढायेगे। इसी के साथ हमे अपनी एकता बनाये रखनी पडेगी। हम एकता के साथ मांग करेगे तो पहले प्रतिमा की स्थापना हुयी और अब इस स्थल पर स्टील की रैलिग लगाकर स्थल की गरिमा और वैभवता को प्राप्त कर सकते है।

कार्यक्रम मे विशेष रूप से सर्वश्री रूपेन्द्र सोनवाने सरपंच, सुरेश पटले पूर्व सरपंच, मिलिन्द्र नगपुरे मंडल अध्यक्ष, गणेश कुभरे, अनुरसिंह उइके, आशीष परते, सुर्यपाल मडावी, विनय उइके, जवाहर वटटी अध्यक्ष, रूपसिंह उइके, परशराम उइके आदि उपस्थित भी रहे।

सुमधुर गीतों की प्रस्तुति से गुंज उठा पुरातत्व संग्रहालय परिसर

नवभारत, बालाघाट। इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट परिसर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शरद पूर्णिमा पर्व पर दिनांक 6 अक्टूबर 2025 को अपरांह 3 बजे से डॉ.वीरेन्द्र सिंह गहरवार संग्रहाध्यक्ष इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें आधा दिन सुप्रसिद्ध गीतकार डॉ.कुलदीप बिल्थरे के नाम सम्पन्न हुआ। डॉ.बिल्थरे पूर्व साहित्यविद् स्व.आनंद बिल्थरे के भतिजे है तथा साहित्यविद् श्रीमती सरस्वती बिल्थरे के पुत्र है। यही वरदान इन्हें भी प्राप्त हुआ है। डॉ.बिल्थरे कभी भी व्यवसायिक मंचों पर नहीं गए, किन्तु इनकी अपनी पहचान है। डॉ.बिल्थरे ने गीत गुनगुनाना प्रारंभ किया--- कोई हँसी खिल खिलाई, यूँ गुन गुनाई..., लहराई हवाओं में, तरंते लेकर बहारों की, कोई हँसी बलखाई.....! तालियाँ बतोरी, दूसरा गीत--- क्या-क्या रंग दिखाती सुबह, क्या-क्या रंग दिखाती शाम.... !! तीसरा गीत--- आँचल उतर गये है, कलयुग की है हवायें, धरती उखड़ गई, मन हीन है दिशायें..... !!! चौथा गीत--- देह छोड़ आत्मा विदेह हो गई, छूने धरा को आज, कैसे तरस गई..... एक से बढ़कर एक गीतों को सुनाया, श्रोतागण रसास्वादन से भावविभोर हो गए। इस अवसर पर श्रोतागण चम्मच से लबरी का स्वाद लेते-लेते गीत को भी चख रहे थे। अंत में डॉ.वीरेन्द्र सिंह गहरवार ने भी अपनी रचना प्रस्तुत करते हुए कहा-- तुम कामनाओं से भरे, उदधि, मैं बिना लहर की बूंद, तुम जीवन हो, मैं मृत हूँ, मैं मरु मरीचिका, सा आज हूँ, तुम कल की अविरल धारा हो, मैं तृष्णा, तुम तृप्ति हो। इस अवसर पर राजेन्द्र कुमार ब्रम्हे, जितेश बोपचे, डॉ.सुभाष चंद्र गुप्ता सहित अन्य पाठको ने भी पठन किया जिसे सुन श्रोतागण गद-गद हो गए।

क्लोरफेनिरामाईन एवं फेनालेफ्रिन का उपयोग 4 वर्ष से कम आयु के शिशुओं के उपचार में नहीं करने के निर्देश

नवभारत, बालाघाट। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप द्वारा जिले के सभी डाक्टर्स, सभी रजिस्टर्ड मेडिकल प्रेक्टिशनर्स संचालक तथा निजी चिकित्सालय, नर्सिंग होम एवं क्लीनिक में क्लोरफेनिरामाईन मैजेट आईपी 2 एमजी के साथ ही फेनालेफ्रिन एचसीएल आईपी 5 एमजी ड्रॉप/एमएल का उपयोग 04 वर्ष से कम आयु के शिशुओं के उपचार के लिए न किये जाने के निर्देश दिए गए है।

मुख्?य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. उपलप ने बताया कि भारत सरकार, महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (एफडीसी डीविजन) द्वारा क्लोरफेनिरामाईन मैजेट आईपी 2 एमजी के साथ ही फेनालेफ्रिन एचसीएल आईपी 5 एमजी ड्रॉप/एमएल दवा के लेबल पर, औषधि के विवरण पर्चे पर तथा औषधि के प्रचार पाम्प्लेट पर स्पष्ट रूप से चेतावनी अंकित की गई है जिसके अनुसार 04 वर्ष से कम आयु के शिशुओं के उपचार के लिए इस दवा का उपयोग नही किया जाना है। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी पत्र में प्रदेश के समस्त पंजीयकृत चिकित्सा व्यावसायियों को निर्देशित किया गया है कि भारत सरकार, महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करते हुये 04 वर्ष से कम आयु के रोगी शिशु के उपचार के लिए इस औषधि को न लिखा जाए।

इसी कड़ी में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप द्वारा जिले के सभी डाक्टर्स, सभी रजिस्टर्ड मेडिकल प्रेक्टिशनर्स तथा निजी चिकित्सालय, नर्सिंग होम एवं क्लीनिक संचालकों को निर्देशित किया है कि वे क्लोरफेनिरामाईन मैजेट आईपी 2 एमजी के साथ ही फेनालेफ्रिन एचसीएल आईपी 5 एमजी ड्रॉप/एमएल का उपयोग 04 वर्ष से कम आयु के शिशुओं के उपचार के लिए न करें।

पुरातत्व शोध संस्थान को समर्पित किया हिन्दी टंकण मशीन

नवभारत, बालाघाट। इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट में पुरातत्व से संबंधित विभिन्न सामग्रीयों का समावेश है। इसी तारतम्य में हिन्दी मुद्रलेखन टंकण मशीन जिसका चलन अब समाप्त हो चुका है लेकिन इसका इतिहास बहुत स्वर्णिम रहा है। जिससे की आगे आने वाली पीढ़ीयों को इस मशीन की उपयोगिता के संबंध में जानकारी होना आवश्यक है और यह तभी संभव है जब इस मशीन को पुरातत्व शोध संस्थान में समर्पित किया जा सके। जिसके चलते 5 अक्टूबर को हिन्दी टंकण मशीन को एक साधे समारोह में कार्यालय इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट को समर्पित किया गया। इस अवसर पर शोध संस्थान के आचार्य वीरेन्द्र गहरवार, राधेश्याम महेश, अमरेश परिहार, आशीष सेन्द्रे आदि उपस्थित रहे।

इस संबंध में जानकारी देते हुए राधेश्याम महेश ने बताया कि 20 वर्ष पूर्व टंकण मशीन को खरीदा गया था। उस दौरान प्रतियोगी परीक्षाओं में इसका उपयोग किया गया था जिसका वर्तमान में चलन समाप्त होने की कगार पर है। जिसके चलते स्व-प्रेरणा से इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट में समर्पित किया गया। ताकि आने वाली पीढ़ीयों को इसकी जानकारी मिल सके।

इस अवसर पर श्री गहरवार ने बताया कि यह पहला अवसर है जब हिन्दी टंकण मशीन श्री महेश द्वारा शोध संस्थान में प्रदाय किया गया है जो कि निश्चित तौर पर यहां पर आने वाले पर्यटको एवं आम जनमानस के लिए जानकारी योग्य होगी। इसी तारतम्य में अमरेश परिहार ने बताया कि भारत में पहला हिन्दी टाइपराइटर बाज़ार में 1930 के दशक में आया थाए लेकिन देवनागरी की जटिलता के कारण इसे बनाना मुश्किल था। 1955 में पहली बार गोदरेज एंड बॉयस ने भारत में टाइपराइटर का निर्माण किया थाए जिसके बाद यह धीरे.धीरे कार्यालयों में इस्तेमाल होने लगा। इलेक्ट्रिक टाइपराइटर 1950.60 के दशक में आएए लेकिन शुरुआती दौर में मैनुअल टाइपराइटरों की मांग अधिक थीए और बाद में कंप्यूटर के आने से इनका चलन कम हो गया।

वारासिवनी में भजन संध्या का कार्यक्रम आज

नवभारत, वारासिवनी। धार्मिक क्षेत्रो मे तपस्या रूपी कार्य करने वाली समिति मां अंजनी पुत्र सेवा दल के सफलता पूर्वक तीन साल पूरे होने पर आज शाम नगर के जय स्तंभ चैक पर भव्य संगीतमय भजन संध्या का समिति द्वारा आयोजन किया जा रहा है। प्रसिद्व भजन गायिका अधिष्ठा व अनुष्का के आगमन को लेकर अभी से भक्तो मे बेसब्री का आलम देखा जा रहा है। भक्तो की भारी भीड होने के अनुमान से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी समिति चाक चैबंद नजर आ रही है।

नगर के सबसे बडे त्योहार पर प्रभु हनुमान जी की सजीव झांकी की जिम्मेदारी मां अंजनी पुत्र सेवा दल के उपर निर्भर रहती है। पिछले तीन साल से कठिन तपस्या के बाद यह झांकी सभी का मन मोहते हुये नजर आ रही है। इस साल इस समिति मे लगभग तीन सौ युवाओ का सीधे धर्म के प्रति जुडाव भी होने से समिती की सभी वर्ग खुलकर सराहना कर रहे है।

इस समिति के तीन साल पूर्ण होने पर भव्य भजन संध्या प्रस्तुत करने की इस परंपरा मे देश की बडी भजन गायिका अधिष्ठा व अनुष्का की भजन संध्या का आज 7 अक्टूबर को जय स्तंभ चैक पर शाम 7 बजे से आयोजन किया जा रहा है। जिसमे प्रसिद्व भजन गायिका अपने मधुर भजना से बाबा खाटू श्याम, भगवा रंग,सालासर बालाजी प्रभू के भजनो के माध्यम से धर्म की अलख जगाकर भक्ति का नया स्वरूप प्रस्तुत करेगी। मां अंजनी पुत्र सेवा दल समिती ने क्षेत्र के सभी भक्तो से भजन संध्या मे उपस्थित होकर अपने मन को प्रभू के चरणो मे समर्पित करने की अपील भी की है।

गौरतलब है की समिति के कार्यक्रम मे एक दिव्यता का परिचय भी प्रति वर्ष मिलने से भक्तो मे भजन संध्या को लेकर आतुरता भी देखी जाती है। पिछले वर्ष हिंदू धर्मग्रंथो के गहन और मधुर पाठ के धनी प्रसिद्व भजन गायक रसराज जी महाराज के संगीतमय सुंदरकांड के पाठ के कार्यक्रम मे भी चमत्कार देखने को मिला था। कार्यक्रम की शुरूवात होते ही पुरे क्षेत्र मे तेज बरसात का आगमन व नगर मे आंधी तूफान सहित काले काले बादलो का छाया मंडराने लगा था। किंतू जैसे ही रसराज जी महाराज ने सुंदरकांड का पाठ शुरू किया वैसे ही पुरा मौसम शनै शनै सुहाना हो गया था। और यह कार्यक्रम सफलता का एक नया परिचय करा गया था।

तिरोड़ी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन

नवभारत, तिरोड़ी। संघ शताब्दी वर्ष 1925- 2025 समूचे राष्ट्र में संघ मना रहा है एवं प्रतिवर्ष विजयादशमी उत्सव के उपलक्ष में संघ के सभी खंडों में पथ संचलन के भव्य आयोजन प्रतिवर्ष होते हैं इस वर्ष भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ खंड केंद्र तिरोड़ी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का भव्य संचलन संपन्न हुआ। एकत्रीकरण शाम 4ः00 बजे गांधी चौक तिरोड़ी थाने के सामने हुआ, 4ः30 बजे संचलन प्रारंभ होकर पीली बिल्डिंग चौक होते हुए महादेव चौक के रास्ते अंबेडकर चौक से माइल ऑफिस होते हुए आजाद चौक के उपरांत चांदनी चौक एवं अंत में गांधी चौक पुलिस थाने के सामने संपन्न हुआ। संचलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत गीतों को दोहराते चले जा रहे थे। जगह-जगह पर समाज के लोग एवं मातृशक्ति के द्वारा आरती की थाल ले पुष्प वर्षा कर स्वागत करते नजर आए।

खाकी फुल पैंट, सफेद शर्ट, काली टोपी कमर में पट्टा एवं हाथ में दंड लिए सीना ताने स्वयंसेवक अद्भुत प्रतीत हो रहे थे।संघ गीत के बाद अधिकारियों के उद्बोधन उपरांत अंत में प्रार्थना के साथ संघ के इस भव्य संचलन समारोह का समापन हुआ।

संघ के संचलन समारोह में अनेक ग्रामों से पूर्ण गणवेश धारी स्वयंसेवक सम्मिलित हुए थे। प्रत्यूष दुबे ने बतलाया कि यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना का शताब्दी वर्ष प्रारंभ है जिसे समुचे राष्ट्र में स्वयंसेवक धूमधाम से माना रहे हैं राष्ट्र भक्ति और सेवा का यह अद्भुत प्रकल्प अब अपने शतायु की ओर अग्रसर है इसके निमित्त समूचे 2025 वर्ष में पथ संचलन के साथ अनेकों कार्यक्रम वर्ष भर संपन्न होंगे जिसमें ग्रह संपर्क अभियान, मंडल स्तर पर हिंदू सम्मेलन के साथ-साथ प्रत्येक मंडलों में संघ के संचलन का आयोजन होना सुनिश्चित है।

भुआ बिछिया में देर रात तक होता रहा विसर्जन

मंडला नभाप्र. नगर की शेष प्रतिमाओं का विसर्जन शनिवार को देर रात तक एनीकट कुंड और जलाशय बांध में किया गया। इस अवसर पर नगर में भव्य चल समारोह निकाला गया, जो देर रात तक भक्ति और उल्लास से सराबोर रहा। नगर की लगभग 13 से 14 दुर्गा प्रतिमाओं को विसर्जित किया गया। चल समारोह के दौरान डीजे, बैंडबाजे और आतिशबाजी का बोलबाला रहा, जिसमें बाहर से आई डांस पार्टियों के कलाकारों ने भी भजन-धुन पर प्रस्तुति दी। माता के जयकारों के साथ हजारों की संख्या में श्रद्धालु नगर भ्रमण में शामिल हुए। चल समारोह के कारण मुख्य मार्गों पर यातायात घंटों तक प्रभावित रहा। हालांकि थाना प्रभारी भीष्म तिवारी की अगुवाई में प्रशासनिक व्यवस्था दुरुस्त देखी गई, जिसके चलते पूरा समारोह शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। बताया गया कि मुक्ति मार्ग की महाकाली प्रतिमा का विसर्जन आज शरद पूर्णिमा के दिन किया जाएगा।